

an>

Title: Regarding Indian Journalist's visit to Pakistan and meeting a wanted terrorist.

HON. SPEAKER: Now, we take up 'Zero Hour'.

Shri Kharge ji,

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam, last time the hon. Minister for External Affairs assured us that she would get relevant information from the Indian Embassy, Pakistan and inform the House about the interview of Vaidik with Hafiz Saeed in Pakistan. Three days have already been passed. I would against request the hon. Minister, through you, that she should make an immediate statement because we are waiting. This should not take much time. The Government should contact immediately and report to the House because the entire House is very anxious to know as to what has happened and what are the communications between the Indian Embassy and the Government.

We would like to know as to what discussion took place in Pakistan. There is a lot of suspicion among the public and so we are conveying the feelings of the countrymen to the Government through this House. Therefore, I request that the Minister of External Affairs Minister should make a statement on this matter. We have raised it many times, but I am sorry to say that we are not getting a proper response from the Government. If the same issue is raised in the other House or outside the House, they respond immediately. I am unable to understand as to how we should argue our case, whether we should argue for hours together or we should request the Government as per the rules.

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam Speaker, the Government is responsive and also sensitive to the issue. The hon. Minister of External Affairs instantly reacted on that day and today the hon. Minister is preoccupied in the other House as questions were there. So, I will convey the sentiments of the House to the hon. Minister. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please take your seat.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: She is busy there. How can she be present in two places?

...(*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** ऐसा मत कीजिए, अभी तुरंत कैसे मानेंगे। किरीट सोमैया जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** वह कन्वे करेंगे, आपको बता दिया है। आज नहीं तो कल बतायेंगे। प्लीज, आप बैठ जाइये।

HON. SPEAKER: Kharge Ji, you come and discuss whatever was already decided. I am sorry.

...(*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** मुलायम सिंह जी।

**श्री मुलायम सिंह यादव :** अध्यक्ष महोदय, मैं तो बोलने के लिए खाड़ा हूँ।

महोदय, इस बजट के साथ बुरे दिनों की शुरुआत हो गयी है क्योंकि मोदी साहब ने कहा था कि अच्छे दिन आने वाले हैं...(*व्यवधान*)

HON. SPEAKER: Mulayam Singh Ji, one minute please. She is here.

**विदेश मंत्री तथा प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) :** अध्यक्ष जी, मुझे अभी-अभी संसदीय कार्य मंत्री जी ने बताया कि शायद यहां कांग्रेस पार्टी के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने श्री वेद प्रताप वैदिक की हाफिज़ सईद से मुलाकात के संबंध में हाई कमिश्नर की रिपोर्ट के संबंध में जानना चाहा है।

पहले तो मैं आपको बता दूँ कि जिस दिन यह पूछा गया था, उस दिन मौखिक रूप से उत्तर देते हुए मैंने बात पूरी तरह से स्पष्ट कर दी थी कि मैं पूरी जिम्मेदारी से कह रही हूँ कि भारत सरकार का उस यात्रा से या उनकी हाफिज़ सईद से मुलाकात का कोई संबंध नहीं है। उसके बाद यह मामला यहां समाप्त हो गया था। कोई और पूछा मुझ से किया नहीं गया था, कोई उत्तर भी मैंने नहीं दिया था। लेकिन दूसरे सदन में एक परंपरा है वरिष्ठिकांश की, हालांकि वह सुओ-मोटो स्टेटमेंट्स पर होती है, पर उन्होंने थोड़ा नियमों में लीट देकर यहां स्पष्टीकरण मांगे थे। उसमें से एक स्पष्टीकरण यह था कि किसी ने कहा कि, शायद वैदिक ने ही किसी इंटरव्यू में यह कहा है कि इंडियन हाई कमिश्नर को मेरी मुलाकात के बारे में पता था, तो मैंने उसके उत्तर में यह कहा था कि मैंने हाई कमिश्नर से रिपोर्ट मांगी है जो अपेक्षित है। वह रिपोर्ट आने के बाद मैं सदन को बताऊंगी। यहां यह मामला चूंकि आया नहीं था, इसलिए मैंने नहीं कहा। लेकिन यह अपना सदन है, खड़गे जी जानना चाह रहे हैं तो मैं आप के माध्यम से सदन को बताना चाहती हूँ कि इंडियन हाई कमिश्नर से रिपोर्ट आसी है और उन्होंने बिल्कुल साफ-साफ उसमें कहा है कि न तो उन्हें इस बात की कोई जानकारी थी कि वे हाफिज़ सईद से मिलने जा रहे हैं, इसलिए भेंट को फैसिलिटेट करने का तो पूरा ही पैदा ही नहीं होता। वे बिल्कुल उनकी जानकारी के अभाव में श्री वैदिक से मिलने गए...(*व्यवधान*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : Now I request you to take action to prosecute him.

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आज आप को क्या हो गया है?

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : You take action against him.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सौगत राय जी, प्लीज़ बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

â€¦(व्यवधान)